



फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय नौघर लुम्बगाँव टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) 249165

Website: www.psbcollegelumbgaon.in
E-mail : gdclambgaon2001@gmail.com
mobile 7078802868

आज दिनांक 10.11.2023 को फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय नौघर, लुम्बगाँव के भूगोल विभाग के द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक "उत्तराखंड हिमालय में जलवायु परिवर्तन का जल स्रोतों एवं जैव विविधता पर प्रभाव" रहा। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सी.डी. सूंठा निदेशक उच्च शिक्षा, उत्तराखंड हल्द्वानी नैनीताल, विशिष्ट अतिथि व वक्ता प्रो. एम.एस.पंवार विभागाध्यक्ष एवं संयोजक, भूगोल विभाग हे.नं.बहु.गढ़वाल (केंद्रीय) वि.वि.श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल, विशिष्ट अतिथि व वक्ता प्रो. डी.सी. गोस्वामी विभागाध्यक्ष भूगोल एवं संकाय अध्यक्ष कला पं.ल.मो. शर्मा परिसर, ऋषिकेश श्री देव सुमन उ.वि. वि. बादशाहीथौल, (टि.ग.), प्रो ए.पी. दुबे (भूगोल विभाग) पं. ल. मो. शर्मा परिसर ऋषिकेश, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रो. के. शर्मा ने की उन्होंने कहा कि उत्तराखंड हिमालय में जलवायु परिवर्तन का विषय बहुत ही संवेदनशील है जिस पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है मुख्य अतिथि प्रोफेसर सी.डी. सूंठा ने जलवायु परिवर्तन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि यह न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि प्रादेशिक स्तर पर भी एक बड़ी चुनौती है जिससे जनजीवन बहुत प्रभावित हो रहा है विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता प्रो. एम. एस. पंवार ने "उत्तराखंड हिमालय में जलवायु परिवर्तन का जल स्रोतों पर प्रभाव" विषय पर अपने विचार प्रकट करते हुए बताया कि जलवायु परिवर्तन का किस प्रकार वनस्पति, जैव विविधता, जल स्रोतों पर प्रभाव पड़ रहा है तथा भविष्य में यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है। विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता प्रो. डी.सी.गोस्वामी ने " उत्तराखंड हिमालय में वर्तमान विकास कार्यों का जैव विविधता पर प्रभाव" विषय पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा, कि बढ़ती जनसंख्या, कृषि भूमि का आवासीय क्षेत्र में परिवर्तन, परिवहन मार्गों का निर्माण, होटल व्यवसाय आदि के लिए पहाड़ों को खोदा जा रहा है जिससे पर्वतीय क्षेत्रों में कई प्रजातियां या तो विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं साथ ही विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता प्रो. ए. पी. दुबे ने कहा कि अत्यधिक पर्यटन विकास के दबाव में हिमालय क्षेत्र में लगातार मीथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड जैसी गैसों की बढ़ती मात्रा, तापमान की वृद्धि, प्लास्टिक कचरे के कारण, प्रदूषण फैलने आदि घटनाओं के कारण जलवायु में परिवर्तन देखा गया है। संगोष्ठी में हिमालय एवं पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए तथा जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए वृक्षारोपण, वनाग्नि नियंत्रण, जन जागरूकता कार्यक्रम, इको-फ्रेंडली टूरिज्म, स्वयं सहायता समूह की भागीदारी तथा सामाजिक वानिकी को बढ़ावा देने पर सहमति प्रकट की गई। विशिष्ट वक्ताओं ने संधारणीय विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, हिमालय क्षेत्र में निवास कर रहे क्षेत्रीय लोगों के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक गण श्रीमती प्रियंका डिमरी, डॉ. भरत सिंह चुफाल, श्री बलबीर चौहान, डॉ. एस. के. पांडे, डॉ. शुभम उनियाल, डॉ. विपिन कुमार शर्मा, श्री रविंद्र लाल, डॉ. विजय राणा, श्री मयंक, श्रीमती मायनी चौधरी, डॉ. भरत सिंह राणा, डॉ. अब्दुल वहाब आदि प्राध्यापक तथा समस्त कर्मचारी गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।





फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय नौघर, लम्बगाँव टिहरी गढवाल (उत्तराखण्ड)

"उत्तराखण्ड हिमालय में जलवायु परिवर्तन का जल स्रोतों एवं जैव विविधता पर प्रभाव"

(Impact of Climate Change on Water Resources and Bio-diversity in Uttarakhand Himalaya)



मुख्य अतिथि / मुख्य संरक्षक
प्रो० सी० डी० सूँठा
निदेशक उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी (नैनीताल)



संरक्षक / प्राचार्य
प्रो० योगेश कुमार शर्मा
फू० सिं० बि० राजकीय महाविद्यालय
नौघर, लम्बगाँव (टि० ग०)



विशिष्ट अतिथि / मुख्य वक्ता
प्रो० एम० एस० पवार
(विभागाध्यक्ष एवं संयोजक, भूगोल)
स्कूल ऑफ अर्थ साइन्स
एच० एन० बी० गढवाल (केन्द्रीय) वि० वि० श्रीनगर, (पौ० ग०)



विशिष्ट अतिथि / वक्ता
प्रो० डी० सी० गोस्वामी
(विभागाध्यक्ष, भूगोल एवं संकायाध्यक्ष, कला)
पं० ल० मो० शर्मा परिसर, ऋषिकेश
श्रीदेव सुमन उ० वि० वि० बादशाही थौल, (टि० ग०)



विशिष्ट अतिथि / वक्ता
प्रो० ए० पी० दुबे
भूगोल विभाग
पं० ल० मो० शर्मा परिसर, ऋषिकेश
श्रीदेव सुमन उ० वि० वि० बादशाही थौल, (टि० ग०)

बुद्धवार, नवम्बर 10, 2023

संयोजक : श्रीमती अनुजा रावत

सह संयोजक : डॉ० भरत सिंह , डॉ० अब्दुल वहाब

Venue: Phool Singh Rajkiya Mahavidyalaya ,
Naughar Lambgaon ,Tehri Garhwal; 249165
(Uttarakhand) India

Website: www.psbcollegelambgaon.in
Email: gdclambgaon2001@gmail.com
abdulwahab32@gmail.com

Link to access: (<https://meet.google.com/xrk-rqjs-kwm>)

For more details call or whatsapp on: 8938925351,
9627585221,
9258718669

कार्यक्रम रुपरेखा

क्र०स०	नाम	पदनाम	विषय	समय
		प्रतिभागियों का पंजीकरण		10.00-10.40
		वृक्षारोपण		10.45
		सेमिनार हॉल में एकत्रीकरण		11.00
उद्घाटन सत्र				
		दीप प्रज्ज्वलन/सरस्वती वन्दना		11.10
1	प्रो० योगेश कुमार शर्मा	संरक्षक / प्राचार्य फू० सिं० बि० राजकीय महाविद्यालय नौघर, लम्बगॉव (टि० ग०)	मुख्य अतिथि एवं वक्ताओं का स्वागत/ उद्बोधन	11.20-11.40
2	प्रो० सी० डी० सूँठा	मुख्य अतिथि/मुख्य संरक्षक निदेशक (उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड हल्द्वानी (नैनीताल)	मुख्य अतिथि का उद्बोधन	11.40-12.00
बौधिक सत्र				
3	डॉ० भरत सिंह	(सहा० प्राध्यापक)	वक्ताओं का परिचय	12.10-12.15
4	प्रो० एम० एस० पवार	(विभागाध्यक्ष एवं संयोजक, भूगोल) स्कूल ऑफ अर्थ साइन्स एच० एन० बी० गढवाल (केन्द्रीय) वि० वि० श्रीनगर, पौड़ी गढवाल	उत्तराखण्ड हिमालय में प्राकृतिक जल स्रोतों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	12.15-12.45
5	प्रो० ए० पी० दुबे	(भूगोल विभाग)पं० ल० मो० शर्मा परिसर, ऋषिकेश, श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड वि० वि० बादशाही थौल, (टि० ग०)	पर्यावरण अवनयन में पर्यटन की भूमिका	12.55-1.25
6	प्रो० डी० सी० गोस्वामी	(विभागाध्यक्ष, भूगोल एवं संकायाध्यक्ष, कला) पं० ल० मो० शर्मा परिसर, ऋषिकेश श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड वि० वि० बादशाही थौल, (टि० ग०)	वर्तमान विकास कार्यों का जैव विविधता एवं वन संसाधनों पर प्रभाव: उत्तराखण्ड हमालय के सन्दर्भ में	1.30-2.00
7	श्रीमती अनुजा रावत	संयोजक/विभाग प्रभारी फू० सिं० बि० राजकीय महाविद्यालय नौघर, लम्बगॉव (टि० ग०)	संगोष्ठी का सार एवं धन्यवाद ज्ञापन	02.05-02.15


संयोजक


प्राचार्य